हृदय और धड़कन

वर्ष-2, अंक-18, जून 20, 2011

CIMS
Care Institute of Medical Sciences

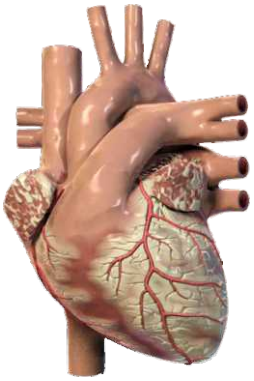

Price Rs. 5/-

कार्डियोलॉजिस्ट
डॉ. अनिश चंदाराणा
(M) +91-98250 96922
डॉ. अजय नाईक
(M) +91-98250 82666
डॉ. सत्य गुप्ता
(M) +91-99250 45780
डॉ. जोयल शाह
(M) +91-98253 19645
डॉ. रवि सिंघवी
(M) +91-98251 43975
डॉ. गुणवंत पटेल
(M) +91-98240 61266
डॉ. केयूर परीख
(M) +91-98250 66664
डॉ. मिलन चग
(M) +91-98240 22107
डॉ. उर्मिल शाह
(M) +91-98250 66939
डॉ. हेमांग बक्षी
(M) +91-98250 30111
कार्डियक सर्जन
डॉ. धीरेन शाह
(M) +91-98255 75933
डॉ. धवल नायक
(M) +91-90991 11133
पिडियाट्रिक और एडल्ट कार्डियक सर्जन
डॉ. सौनक शाह
(M) +91-98250 44502
कार्डियक एनेस्थेटिस्ट
डॉ. निरेन भावसार
(M) +91-98795 71917
डॉ. हिरेन धोलकिया
(M) +91-95863 75818
पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजीस्ट
डॉ. कश्यप शेठ
(M) +91-99246 12288
डॉ. मिलन चग
(M) +91-98240 22107
निओनेटोलोजीस्ट और
पीडियाट्रीक इन्टेन्सीवीस्ट
डॉ. अमित चितलीया
(M) +91-90999 87400
कार्डियाक इलेक्ट्रोफिजियोलोजीस्ट
डॉ. अजय नाईक
(M) +91-98250 82666

मोटापा (ओबेसिटी)

शरीर में अत्यधिक मात्रा में चरबी होती है, तो इस स्थिति को मोटापा कहते हैं। इस के तीन प्रकार होते हैं।

- हलका मोटापा – सामान्य वजन से २० से ४० प्रतिशत अधिक वजन
- मध्य मोटापा – सामान्य वजन से ४० से १०० प्रतिशत अधिक वजन
- अत्यधिक मोटापा – सामान्य वजन से १०० प्रतिशत से अधिक वजन

शरीर के आदर्श वजन का आधार लम्बाई. शरीर का कद (built), माप, और जाति पर आधारित हैं। आदर्श वजन का चार्ट बनाया गया है।

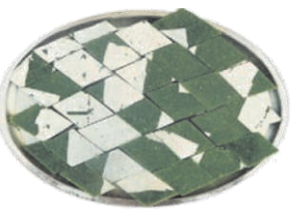

मोटापा और उच्च रक्त चाप

मोटे लोगों का रक्त चाप ऊंचा रहता है। उच्च रक्त चाप से हृदय के कार्य पर जोर पड़ता है। अत्यधिक दबाव के कारण हृदय की मांसपेशियां मोटी हो जाती हैं। इस कारण हृदय के सिकुड़ने के कार्य पर विपरीत असर होता है और हृदय का सामान्य काम-काज ठीक से नहीं होता।

उच्च रक्त चाप के कारण हृदय पर पड़ने वाले अत्यधिक दबाव को वजन घटाकर सुधारा जा सकता है।साथ ही कई बार दवाई की जरुरत भी पड़ती है।

इतना सब खाओ

मोटापा और डायबिटीज़

मोटापे के कारण डायबिटीज़ होने की संभावना बढ़ जाती है और डायबिटीज़ से हृदय रोग और उच्च रक्त चाप की संभावना बढ़ जाती है।

शेष... पेज-३

और वजन कांटे से घबराओ

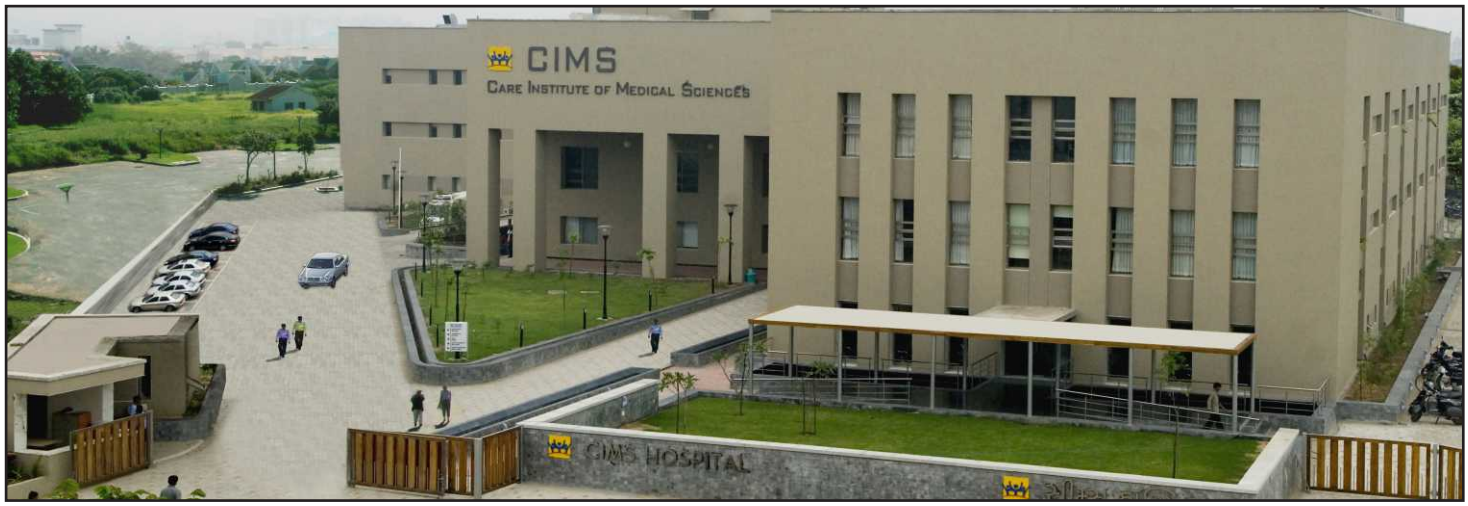

कॅयर इन्स्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइन्सेझ अहमदाबाद शहर के हृदय पटल पर 150 शय्याओ वाला एक अद्वित्य, अति आधुनिक, बहु विशिष्ट, अस्पताल है ।

सीम्स विभाग

- अेनेस्थेसियोलोजी
- आर्थरोस्कोपी और स्पोर्टस मेडिसीन
- केन्सर का ईलाज
- कार्डियोलोजी
- कार्डियो-थोरेसिक सर्जरी
- कोस्मेटोलोजी
- क्रिटीकल केयर
- डेन्टिस्ट्री (दंत चिकित्सा)
- ई.एन.टी.
- फेमिली मेडिसीन
- गर्भस्थ शिशु चिकित्सा
- पेट, आंते और कलेजेकी बिमारीयों का ईलाज और सर्जरी
- जनरल सर्जरी
- गायनेकोलोजी और ओब्स्टेट्रीक्स (स्त्री रोग विभाग)
- हाइ-रीस्क प्रेग्नेन्सी युनिट (प्रसुति विभाग)
- हिमेटो ओन्कोलोजी (केन्सर और रक्तकी बिमारीयाँ)
- हेल्थ चेकअप
- संक्रमण रोग और एच.आई.वी. संबंधित बिमारीयां
- इन्टरनल मेडिसीन
- जोइन्ट रिप्लेसमेन्ट सर्जरी (जोडो को बदलने की सर्जरी)
- लेप्रोस्कोपिक सर्जरी
- निओनेटोलोजी (नवजातशिशु) और पिडियाट्रिक्स (बच्चोकी बीमारीया)
- नेफ्रोलोजी (किडनीकी बिमारीयों)
- न्युरोलोजी (मस्तिष्ककी बिमारीयाँ)
- न्युरोसर्जरी
- ओबेसीटी मेनेजमेन्ट (मोटापे का उपचार)
- ओन्कोलोजी और ओन्को सर्जरी
- ओप्थेमोलोजी (आंख्र की बीमारीयाँ)
- ओर्थोपेडिक्स
- दर्द निवारण क्लिनिक
- पेथोलोजी और माइक्रोबायोलोजी
- पिडियाट्रिक सर्जरी (बच्चो के बीमारीयाँ की सर्जरी)
- फिझियोथेरेपी और रिहेबिलीटेशन
- प्रिवेन्टीव हेल्थ केयर
- पल्मोनोलोजी (फेफडोकी बिमारीयाँ)
- रेडियोलोजी
- स्लीप मेडिसिन
- स्पाइन सर्जरी (रीढ़ की बीमारीयाँ)
- ट्रोमा का ईलाज
- युरोलोजी (कीडनी और प्रोस्टेटकी बिमारीयाँ)
- वास्क्युलर सर्जरी

पेज-१ का शेष...

मोटापा और हृदय के रोग

जिस प्रकार शरीर का वजन बढ़ता है शरीर में रक्त संचार की मात्रा भी बढ़ जाती है। अत्यधिक वजन के कारण आराम के समय भी हृदय को काम करना मुश्किल पड़ता है। हृदय के (वेन्ट्रिकल्स) खींचकर चौड़े हो जाते हैं।

मोटापे के कारण अन्य तकलीफें

बहुत से मोटे लोगों को श्वास की तकलीफ होती है – विशेष रूप से जब वे सीधा सोते हैं। मोटे पेट के कारण डायफ्राम (पेट और छाती के बाच वाले स्नायु) के काम में रुकावट आ जाती है।

इस आहार के बजाए	यह आहार पसंद करो
दूध	मलाई बिना का दूध
पालक पनीर	उबली सब्जियां
फ्रूटसलाद (शक्कर वाला)	पूरा फल छिलके के साथ
फ्रेंच टोस्ट	वेजिटेबल सेण्डविच
ऑमलेट	उबला अंडा
लस्सी	पतली छाछ
केक	सादी ब्रेड
गाजर का हलवा	गाजर का सलाद
आइसक्रीम	फलों का रायता
बटर नान	सादी नान
डोसा	इडली

क्या मोटापे के कारण दिल का दौरा पड़ सकता है?

मोटापा कोरोनरी हृदयरोग के साथ से संबंधित एक खूब खतरनाक तत्त्व है। मोटापे के कारण दिल का दौरा पड़ सकता है।

वजन बढ़ने के कारण

- वंशानुगत कारण। (hereditary)
- भोजन की आदतें। (eating habits)
- शारीरिक श्रम।
- एन्डोक्राइन (हॉर्मोन्स) फेक्टर।
- चोट।
- समृद्धि
- बुरी आदतें

अधिक वजन नापने के मापदंड

- ऊंचाई के अनूरूप शरीर का वजन
- बोडी मास इंडेक्स (बी.एम.आइ)
- कमर से कूल्हों का रेशियो।
- डेन्सिटी मेथड।
- बॉडी कंपोजिशन एनालिसिस

नोट : प्रत्येक व्यक्ति का शरीर उसका मेटाबोलिज्म, खाने - पीने की आदतें. शारीरिक परिश्रम और खाने की पसंद अलग - अलग होती है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति के डाइट प्लान भी अलग - अलग होते हैं। आप वजन कम करने के लिए अपने डॉक्टर या डायटीशियन की सलाह ले सकते हैं, जिससे किसी प्रकार की कमजोरी महसूस नहीं हो इस प्रकार आप बहुत वजन कम कर सकते हैं और एक स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

मोटापा किस प्रकार कम किया जाय

वजन घटाने के लिए खाने में आप कितनी मात्रा में और किस प्रकार का खाना खाते हैं,इस बात को नियंत्रण में रखने का समावेश होता है। अर्थात् कम कैलरी वाला भोजन खाना और चरबीवाले अथवा ज्यादा

नर्स ने मिसेज़ देसाई को हृदय की दवाएं दीं।

श्रीमती देसाई ने नर्स को कहा, 'मेने कुछ समय पहले पढ़ा है कि हॉस्पिटल में हृदयरोग के एक रोगी की गलत दवा दिए जाने पर मौत हो गई।'

नर्स ने हंस कर कहा 'श्रीमती देसाई शांत रहिए, हमारे हॉस्पिटल में आप जब हृदयरोग के साथ आई हैं तब इस बात का इत्मिनान रखिएगा कि, आप गलत दवाओं से नहीं मरेंगी, परन्तु

शुभकामनाएं

डॉ. जोयल शाह
एम.डी., डी.एन.बी.
(मो) +91-98253 19645

डॉ. रवि सिंघवी
एम.डी., डी.एन.बी.
(मो) +91-98251 43975

सीम्स अस्पताल और द हार्ट केयर क्लिनिक परिवार डॉ. जोयल शाह और डॉ. रवि सिंघवीको डी.एन.बी. (कार्डियोलोजी)में उत्तीर्ण होने के उपलक्ष्यमें हृदयपूर्वक शुभकामनाए देते हुए आनंद महसुस करता है । उच्च कुशल और विस्तृत जानकारी वाले यह दोनो युवा कार्डियोलोजीस्ट अब से सीम्स अस्पताल में अन्य कार्डियोलोजीस्ट की तरह नियमित मील सकेगें ।

कैलरी वाले भोजन को टालना चाहिए।

वजन घटाने के लिए आदतों में बदलाव बहुत जरूरी है, जिसमें निम्न बातों का समावेश होता है

- आपको स्वयं के स्वास्थ्य की समझ
- पौष्टिक भोजन की आदतें
- अपने बनाए हुए कार्यक्रम का अनुसरण करने पर इनाम की योजना
- रोजाना के शारीरिक श्रम में बढ़ोत्तरी

वजन कम करने के लिए भोजन में पूर्ण पोषण उपलब्ध करना, अलग अलग प्रकार का अच्छा भोजन लेना और कैलरी में कमी करना बहुत जरूरी है। यह काम चरबी की मात्रा को नियंत्रित करने से (खास तौर से एक ही प्रकार की चरबी का भोजन में उपयोग कम करने से) होता है। गर्भवती महिलाओं को वजन कम करने का प्रयत्न नहीं करना चाहिए।

वजन कम करने का सबसे असरदार उपाय है खाने में परिवर्तन करना एवं शारीरिक परिश्रम की एसी आदतें जो बाकी की जिंदगी में निभाई जा सके, उनको अपने जीवन में समावेश करना। अच्छे से अच्छा भोजन जो आपका वजन धीरे-धीरे पर समान रूप से कम करे, एवं जिससे आपको आपका वजन कम करने का लक्ष्य प्राप्त हो वही भोजन उचित है। आपके स्वास्थ सलाहकार से वजन घटाने का सुरक्षित, स्वस्थ तथा असरकारक कार्यक्रम पूछें।

स्वास्थ्य के लिए हानिकारक आहार

वजन कम करने के लिए आहार का चुनाव

आहार के लिए एक डायरी रखें। आप जो कुछ भी खायें अथवा पीयें वह उसमें लिख लें। इसके लिए जेब में रखने वाली छोटी डायरी काफी मददगार साबित होगी । आप जो कुछ भी खायें और पीयें ,डायरी आपके खाने की आदतें और भोजन शैली की जानकारी देने में मदद करेगी।

वजन को स्वस्थ तरीके से कम करने के लिए निम्नलिखित नियमों का पालन करें

- असीमित सब्जी व सलाद का महत्तम उपयोग करें
- अगर आप माँसाहारी हैं तो निम्न आहार उपयुक्त रहेगा सिका हुआ और उबला हुआ मीट, मछली और मुर्गी
- तैयार किया हुआ सलाद जिसमें तेल का बिल्कुल उपयोग नहीं हुआ हो

हररोज, पर सीमित मात्रा में उपयोग करें

- कम चरबी (ढझ्ध) व बिना मलाई का दूध, पनीर और दही
- दालें (मसूर की दाल, मटर, मकई के दाने)
- कच्चे फल

निम्नलिखित वस्तुओं का उपयोग कम से कम करें

शुद्ध कार्बोहाइड्रेट (शक्कर, शक्कर उपयोग में लिए गए पदार्थ, शुद्ध अनाज की उपज, यानि कि सफेद चावल, सफेद आटा, मैदा इत्यादि।) इसके अलावा ऐसे कई कारण हैं जो हृदयरोग के लिए खतरनाक कारण बन सकते हैं।

निम्न वस्तुओं का उपयोग टालना

- बराबर फैंटी हुई चरबी जैसे मक्खन
- मार्जरिन और माँस पर चढ़ी हुई चरबी
- मिठाई, केक, चीज
- तले हुए व्यंजन
- प्रोसेस्ड किया हुआ मांस

एक हार्ट सर्जन का एक्सीडेन्ट हुआ, उनकी पत्नी उन्हें नजदीक के एक हॉस्पिटल में ले गई। उस हॉस्पिटल के न्यूरोसर्जन ने रोगी की जांच कर उनकी पत्नी से कहा ' आपके पति के सर पर बहुत सख्त चोट लगी है, पर हम हमारी नई खोज से मस्तिष्क का ट्रांसप्लान्ट कर सकते हैं। उसकी फी बताने के लिए आपको बुलाया है, सादे डॉक्टर का मस्तिष्क लगाने का १०,००० रुपये, विशेषज्ञ का मस्तिष्क लगाने का २०,००० रुपये, और हार्ट सर्जन का मस्तिष्क लगाने का १,००,००० रुपये होगा।" ये हार्ट सर्जन का मस्तिष्क इतना महंगा क्यों?" अरे बहन आपको क्या पता, एक हार्टसर्जन का मस्तिष्क लेने के लिए हमको दस डॉक्टरों के सर

कैलरी कैसे गिनें?

कैलरी भोजन में से मिलती ऊर्जा का मूल्य बताने वाला नाप है। आपका शरीर शारीरिक कार्यों को करने के लिए कैलरी का उपयोग करता है। प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट व चरबी वाली खुराक में से कैलरी मिलती है। वजन कम करने के लिए आप जिस भोजन को खातें हैं उसमें से पोषक तत्वों को कम किए बिना कैलरी की मात्रा कम करें, और शारीरिक श्रम बढ़ा कर कैलरी नष्ट करना शुरु करें।

प्रतिदिन ५०० कैलरी कम खाने से एक सप्ताह में १ पौंड वजन

कम होता है। एक सप्ताह में एक अथवा डेढ़ पौंड (अधिक से अधिक २ पौंड) वजन घटाया जा सकता है। अगर इससे अधिक वजन घटाना शुरु किया तो चरबी की बजाए स्नायु घटने शुरु हो जाएंगे, जो हानिकारक है।

अधिकतर आहार विशेषज्ञ वजन कम करने के लिए प्रतिदिन स्त्रियों के लिए १२०० से १५०० कैलरी व पुरुषों के लिए १५०० से १८०० कैलरी लेने की सलाह देते हैं। आपको एक दिन में कितनी कैलरी की आवश्यकता है,इसके लिए अपने स्वास्थ्य सलाहकार अथवा अपने आहार विशेषज्ञ की सलाह लें।

आप जिस मात्रा में वजन घटातें हैं यह आपके शरीर के मेटाबोलिज्म (ङ्घद्दह्लड्डदृथ्त्द्बथ्र) की मात्रा पर निर्भर करता है। यह मात्रा आपके शरीर की प्राथमिक शारीरिक क्रियाओं के लिए आहार द्वारा उपयोग में ली जाने वाली शक्ति के आधार पर निर्भर करती है। मेटाबोलिज्म शारीरिक क्रियाओं के द्वारा बढ़ाया जा सकता है।

वजन कम करने वाले आहार लेने के प्रारम्भ में शीघ्रता से वजन कम होना शुरु होता है, क्योंकि यह शरीर में एकत्रित अतिरिक्त पानी को अलग करता है।

एक व्यापारी की पत्नी के पांव की हड्डी टूट गई। व्यापारी ने शहर के सबसे होशियार ओर्थोपेडिक सर्जन के पास टूटी हुई हड्डियों को जोड़ने के लिए स्क्रू रखवाकर ऑपरेशन करवाया। ऑपरेशन सफल रहा। और डॉक्टर ने व्यापारी को ११,००० रुपये का बिल पकड़ा दिया

व्यापारी को बिल बहुत अधिक लगा और वह गुस्से हो गया। उसने डॉक्टर से प्रत्येक वस्तु का ब्योरेवार बिल भेजने को कहा डॉक्टर ने निम्न ब्योरे से बिल भेजा

- स्क्रू १ नग : १००/-
- स्क्रू किस तरह रखना ये जानने के और अनुभव के : ९००/-
- एनेस्थेशिया (बेहोश करने का) : १०००/-
- एनेस्थेशिया के बाद वापस होश में लाने का : ९०००/-

व्यापारी ने तुरंत पैसे चुका दिए।

आप जब भोजन कर रहें हों तब आराम से बैठ कर खांए। फोन व टीवी जैसे अस्वस्थ करने वाले उपकरणों का उपयोग टालें। भोजन संपूर्ण चबाकर खाने से पाचन क्रिया नें मदद मिलती है।

दिन में तीन बार संपूर्ण भोजन करने से अच्छा है छोटे - छोटे आहार अनेक बार लेना। आपको हर ४ से ५ घंटे के अन्तर से भोजन करना चाहिए, यह रक्त में शक्कर की मात्रा को नियंत्रण में रखता है, और भूखा रहने के अहसास में मदद करता है। भोजन मिठाई के स्थान पर एक फल के टुकड़े से समाप्त करें।

नाप के लिये गये भोजन में भी कम से कम मात्रा में आहार लेना चाहिए।

लोकप्रिय आहार

लोकप्रिय आहार कई बार खतरनाक हो सकते हैं, उन्हें कई समूहों में विभाजित किया जा सकता है।

- अधिक प्रोटीन वाले आहार
- निश्चित खुराक वाले आहार
- कैलरी - जागृति के व्यवसायिक कार्यक्रम

अधिक प्रोटीन वाले आहार में प्रारम्भ में शीघ्रता से वजन कम होता है। ऐसे आहार में अधिक प्रोटीन वाले भोजन की स्वीकृति दी जाती है। अल्प मात्रा में भी कार्बोहाईड्रेट युक्त पदार्थों का समावेश स्वीकार्य नहीं है।

अमेरिका की फेडरल ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने ऐसे आहारों को बताया है, जिनके कारण काफी गंभीर व तीव्र बीमारी फैलीं और हॉस्पिटल में भर्ती करने की जरूरत पड़ी। इसमें से कुछ आहार तो दस्त, रुग्णावस्था का एहसास, खूब पसीना, सिर में दर्द व गठिया जैसे रोगों का कारण बन सकते हैं।

कम कैलरी वाला आहार और पूर्ण ब्रत (दिनभर में ५०० केलोरी से कम खाना) सामान्यरूप से आत्मघाती है। यह डॉक्टर की देखरेख में ही होना चाहिए।

प्रोटीनरहित मोडिफाइड फास्टिंग

अपने आदर्श वजन से ३० से ४० प्रतिशत अधिक वजन वाले व्यक्तियों को 'प्रोटीन स्पेरिंग मोडिफाइड फास्टिंग' पर रखा जाता है। इस आहार की सिफारिश करने से पहले आपका स्वास्थ्य सलाहकार आपकी कार्डिवेस्क्यूलर पद्धति का प्रमाण नापेगा। अगर आप इस आहार का पालन कर रहें हों तो आपको स्वास्थ्य सलाहकार के निरीक्षण में रहना लाभदायक है।

सीम्स अस्पताल में उपलब्ध कार्डियाक सेवाएं

नोन इन्वेझिव कार्डियोलॉजी

- ईसीजी
- ट्रेड मील टेस्ट (TMT)
- 2-डी और 3-डी इको व डॉप्लर
- एडीनोसाइन और डोब्युटामाइन स्ट्रेस 2-डी इको
- ट्रान्सइसोफेजिअल इकोकार्डियोग्राफी (TEE)
- होल्टर मोनिटर
- २४ घंटे एम्ब्युलेटरी ब्लड प्रेशर मोनिटरिंग
- इवेन्ट रेकोर्डस और किंग ओफ हार्ट लूप मोनिटर
- टिल्ट टेबल टेस्ट/हेड अप टिल्ट टेस्ट
- SAECG
- नोन-इन्वेझिव इपी स्टडी (NIEPS)

इलेक्ट्रोफिजियोलोजी प्रक्रिया

- कार्डियाक एरेथिमिया के निदान के लिए इलेक्ट्रोफिजियोलोजी स्टडीझ (EPS) (परंपरागत और त्रिपरिमाणिय एरेथिमियास के लिए)
- संदिग्ध कार्डियाक एरेथिमियास के लिए रेडियोफ्रिकवन्सी एब्लेशन्स (3D-Carto)
- पेसमेकर
- हार्ट फेल्यर के लिए बाइवेन्ट्रिक्युलर पेसिंग (कार्डियाक रिसिन्क्रोनाइझेशन थेरापी)
- ओटोमेटिक इम्प्लान्टेबल कार्डियोवर्टर डिफ्रिबिलेटर (AICD) इम्प्लान्टेशन
- कोम्प्रिहेन्सिव डिवाइस फोलो अप क्लिनिक (पेसमेकर, CRT, AICD)

इन्टरवेन्शनल कार्डियोलॉजी सेवाएं

- ऐन्जियोग्राफी
- एन्जियोप्लास्टी और स्टेन्ट्स (सिर्फ युएस एफडीए प्रमाणित स्टेन्टका इस्तिमाल)
- बलून वाल्व्युलोप्लास्टी (सब वाल्व)
- बलून वाल्व्युलोप्लास्टी : हृदय, मगज, किडनी और पैरकी धमनीयोकी
- जन्मजात हृदयकी बिमारिओ के लिए बिना ऑपरेशनका ईलाज
- कार्डियोमायोपेथीकी सारवार

कार्डियक सर्जरी

- बायपास सर्जरी
- कमजोर और चौडे हृदय के लिये विशेष सर्जरी (SVR)
- मीनीमल इन्वेझीव कार्डियाक सर्जरी (MICS)
- वाल्व रिपेयर सर्जरी
- एन्युरिझम सर्जरी
- अेओरेटीक रुट रिप्लेसमेन्ट
- पिडियाट्रिक कार्डियक सर्जरी
- दिमाग और हाथ-पैर की धमनीओकी सर्जरी

सीम्स अस्पताल में उपलब्ध बाल हृदयरोग विभाग (Pediatric Cardiology Department) सेवाएं

बाल हृदयरोगकी जांचकी सेवाएं

- बाल हृदयरोग का निदान और ईलाज
- नवजात शिशु और बालक के लिये आइसीयु (हाइ फ्रिकवन्सी वेन्टीलेटर के साथ)
- बच्चोकी इकोकार्डियोग्राफी की जांच के लिये उच्चत्तम कक्षा के मशीन (Live 3D Echo)
- बच्चोमें ट्रान्स इसोफेजिअल इकोकार्डियाग्राफी (TEE) की सुविधा
- गर्भस्थ शिशुके हृदय संबंधती जांच और उपचार (फीटल इको)
- बच्चोमें हाइ ब्लड प्रेशर / धडकनकी अनियमितता / हार्ट फेल्योरका ईलाज

बाल हृदयरोग इन्टरवेन्शनल प्रोग्राम

- जन्मजात बिमारी के लिए ऑपरेशन के बिना (एन्जियोप्लास्टी और Device Closure) ईलाजकी सुविधाए
- बच्चो के लिए केथलेब और आइसीयुकी सुविधाएं
- बच्चो की इलेक्ट्रोफीजियोलोजी जांच, रेडीयो फ्रिक्वेन्सी एब्लेशन और पेसमेकर की सुविधा

बाल हृदयरोग सर्जरी विभाग

- बच्चे और नवजात शिशु की हृदयकी सभी सर्जरी के लिए विशेषज्ञ टीम
- ऑपरेशन के बाद उच्चत्तम स्तर का आइसीयु ईलाज
- अत्याधुनिक जीवनरक्षक प्रणालीसे उपचारकी व्यवस्था

बच्चों और नवजात शिशुओं के लिए ईलाज

जीवन के प्रारंभिक दौर में उच्च स्तरीय संभाल

CIMS Kids

Pediatric
F.O.Bronchoscopy Suite

Care of
Premature
High-risk Babies

HFOV:
High Frequency
Oscilator

- इन्टेन्सिव कॅयर विशेषज्ञ टीमः नवजात शिशुओं की किसी भी प्रकार की गंभीर बिमारी के ईलाज के हेतु।
- नवजात शिशु अथवा बच्चों के संभाल के लिए 17 बेड का अत्याधुनिक आइसीयु।
- नवजात शिशुओं की विशिष्ट संभाल (बबल सीपीएपी, इन्क्युबेटर, कैपीलरी एबीजी प्रोग्राम) ।
- 24 x 7 आपातकालीन सहाय और पीडियाट्रिक वेन्टिलैटर के साथ ट्रान्सपोट।
- एचएफओवी तथा नाइट्रिक ओक्साइड से सुसंगत अत्याधुनिक वैन्टिलैटर सेटअप।
- गुजरात में सर्व प्रथम पीडियाट्रिक ब्रोन्कोस्कोपी लाउन्जः नवजात शिशुओं के लिए भी।
- बच्चों की प्रत्येक बिमारी की सारवार एक ही स्थान पर।

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences

सीम्स अस्पताल : शकुन मॉल के पास, आफॅ सायन्स सिटी रोड
सोला, अहमदाबाद-380060.
एपाइन्टमेन्ट के लिये फोन : +91-79-30101200, 30101008
मो : +91-90990 66540, 98250 66664, 98250 66668

CIMS Kids

सीम्स कीड्स (नियोनेटोलोजी एवं बाल चिकत्सा क्रिटिकल केयर विभाग) के शुभ उद्घाटन समारोह (रविवार, जून 19, 2011) की एक झलक

माननीय श्री जय नारायण व्यास

माननीय श्रीमती वसुबेन एन. त्रिवेदी

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences
At CIMS... We Care

सौजन्य : रीटा केयूर परीख चेरीटेबल ट्रस्ट

"Hriday Aur Dhadkan" Registered under RNI No. GUJHIN/2009/28021
Permitted to post at MBC, Navrangpura, Ahmedabad-380009 on the 27th of every month under
Postal Registration No. GAMC-1730/2010-2012 issued by SSP Ahmedabad valid upto 31st December, 2012

If undelivered Please Return to :

CIMS Hospital, Nr. Shukan Mall,

Off Science City Road, Sola, Ahmedabad-380060.

Ph. : +91-79-2771 2771-75 (5 lines)

Fax: +91-79-2771 2770

Mobile : +91-98250 66664, 98250 66668

"हृदय और धड़कन" का अंक प्राप्त करने के लिये : अगर आपको "हृदय और धड़कन" का अंक चाहिए तो इसका मूल्य ₹ 60 (12 अंक) है । इसको प्राप्त करने के लिये केश या चेक/डीडी सीम्स होस्पिटल प्रा. ली. के नाम से और आपका नाम और पुरे पते के साथ हमारी ओफिस हृदय और धड़कन डिपार्टमेन्ट, सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 पर भेज दे । फोन नं. : +91-79-3010 1059/1060

सीम्स इइसीपी (एन्हेन्स्ड एक्सटर्नल काउन्टर पल्सेशन थेरापी)

न तो कोइ सर्जरी, न कोइ इन्टरवेन्शन और न तो कोइ दर्द

*ऐसे मरीज के लिये की जिनको हृदय की धमनी (आर्टरी) में ब्लोक है और जो एन्जियोप्लास्टी या बायपास नही करवा सकते या तो चाहते नही और ऐसे मरीज के जीनको पहले बायपास सर्जरी हो गई हो और अभी उसको सीने में दर्द होता है ।

- इइसीपी (एन्हेन्स्ड एक्सटर्नल काउन्टर पल्सेशन थेरापी) यह नोन-इन्वेझीव उपचार है कि जो एन्जायना के लक्षणो को कम करता है ।
- इइसीपीका चिकित्सक और नैदानिक परिक्षण हुआ है की यह बलुन एन्जियोप्लास्टी (पीटीसीए) और बायपास सर्जरी (सीएबीजी) का बिनहानिकारक आउट पेशेंट विकल्प है ।

इइसीपी थेरापी के लाभ

- कोरोनरी आर्टरी स्टेनोसीस के लिये नोन-इन्वेझीव उपचार
- मरीज को अस्पतालमें भर्ती होने की जरुरत नही
- सुरक्षित, दर्द रहित, कोइ भी साइड इफेक्ट के बिना आसानी से हो सकता है
- लागत प्रभावी

CIMS
Care Institute of Medical Sciences

सीम्स अस्पताल : शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-60.
एपोइन्टमेन्ट के लिये फोन : +91-79-3010 1200, 3010 1008
मोबाईल : +91-90990 66540, 98250 66664, 98250 66668
फोन : +91-79-2771 2771-75 (5 नंबर्स) फेक्स : +91-79-2771 2770
वेब : www.cims.me

मुद्रक, प्रकाशक और संपादक डॉ. हेमांग बक्षीने सीम्स अस्पताल की और से
हरिओम प्रिन्टरी, 15/1, नागोरी एस्टेट, ई.एस.आई डिस्पेन्सरी, दुधेश्वर रोड, अहमदाबाद-380004 से मुद्रित किया और
सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 से प्रकाशित किया।